100 Years 1920-2020
University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष

University in News on 22 June 2022

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि के तीन छात्रों का हुआ प्लेसमेंट

लखनऊ। लविवि के इंजीनियरिंग संकाय के तीन छात्रों का प्लेसमेंट विप्रो व केपीआईटी टेक्नोलॉजीज में हुआ है।

इसमें कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के छात्र सिद्धार्थ सिंह का प्लेसमेंट विप्रो में प्रोजेक्ट इंजीनियर के पद पर व रोहित कुमार, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के छात्र सोनू कुमार पाल का प्लेसमेंट केपीआईटी टेक्नोलॉजीज में ग्रेजुएट ट्रेनी इंजीनियर के पद पर हुआ। इंजीनियरिंग संकाय के प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि कंपनी ने तीनों छात्रों को अधिकतम 6.5 लाख का पैकेज ऑफर किया है। (माई सिटी रिपोर्टर)

आईडीपी के लिए कमेटी गठित : निर्देश पर विश्वविद्यालय का पांच साल का इंस्टीट्यूशनल डेवलपमेंट प्लान (आईडीपी) तैयार करने के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित की है। विवि प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार विशेष सचिव द्वारा मांगी गई जानकारी के क्रम में तीन सदस्यीय कमेटी गठित की गई है। इसमें डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन, डीन एकेडमिक्स प्रो. राकेश चंद्रा व मैनेजमेंट विभाग के डॉ. संजय मेधावी शामिल हैं। यह कमेटी विश्वविद्यालय का आईडीपी तैयार कर विवि प्रशासन के माध्यम से अपना प्रस्ताव शासन को भेजेगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

...और परछाई ने भी छोड़ दिया साथ

सूर्य के खास कोण में आने पर ऐसा हुआ

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। कहते हैं कि आपकी परछाई कभी आपका साथ नहीं छोड़ती। लेकिन मंगलवार को ऐसा हुआ कि कुछ समय के लिए परछाई ने भी साथ छोड़ दिया। ऐसा साल में दो बार होता है। लखनऊ विश्वविद्यालय के खगोल शास्त्र विभाग के विद्यार्थियों ने मंगलवार को यह नजारा देखा तो रोमांचित हो उठे।

विभाग की डॉ. अलका मिश्रा ने छात्रों को बताया कि साल में दो दिन ऐसे होते हैं, जब सूर्य 23.5 डिग्री एन और 23.5 डिग्री एस अक्षांश (लेटीट्यूट) के बीच आने वाली जगहों पर दोपहर के समय ठीक हमारे सिर के ऊपर चमकता है। यही कारण है कि उस समय हमारी परछाई भी हमारा साथ छोड़ देती है। परछाई न बनने की इस घटना को खगोल वैज्ञानिक 'शून्य छाया दिवस' या जीरो शैडो-डे कहते हैं।

उन्होंने बताया कि चूंकि लखनऊ 26.85 डिग्री एन अक्षांश पर स्थित है। इसलिए यहां पूर्ण रूप से शून्य छाया नहीं बनती पर निमभनतम छाया 21 जून को दोपहर में देखी गई। एक आसान से प्रयोग के माध्यम से उन्होंने छात्रों को घेरे में खड़ा करके दोपहर 12.06 पर इसको प्रदर्शित करते हुए छात्रों को जीरो शैडो डे के बारे में समझाया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. पूनम शर्मा व भौतिक विज्ञान विभाग के प्रो. अमृतांशु शुक्ल भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी छात्रों के साथ सूर्य और धरती के बीच होने वाले इस अद्भुत घटनाक्रम के बारे में विभिन्न जानकारियां साझा कीं। उन्होंने बताया कि किस प्रकार पृथ्वी पर अलग-अलग जगहों के लिए इनकी तारीखें भी अलग-अलग होती हैं। यह घटना तब होता है जब सूर्य का झुकाव स्थान विशेष के अक्षांश के बराबर हो जाता है। जीरो शैडो डे पर, जब सूर्य स्थानीय मध्याह्न रेखा को पार करता है, तो सूर्य की किरणें जमीन पर किसी वस्तु के सापेक्ष बिल्कुल लंबवत पड़ती हैं। ऐसे में उस समय आपकी परछाई या तो शून्य या निम्नतम हो जाती है। सामान्य जनधारणा के विपरीत दोपहर के समय भी जीरो शैडो डे के सिवा सूर्य कभी भी ठीक हमारे ऊपर नहीं होता।

लविवि में विद्यार्थियों को खगोलीय घटना की जानकारी देते शिक्षक। -संवाद

i-NEXT PAGE 4

12:04 बजते ही कद से छोटा हो गया साया

खगोल वैज्ञानिक डॉ. अलका मिश्रा ने छात्रों को दिखाया खगोल विज्ञान का अद्भुत नजारा

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (21 June): लखनऊ यूनिवर्सिटी के छात्र-छात्राओं ने मंगलवार को खगोल विज्ञान का अद्भुत नजारा देखा. खगोल वैज्ञानिक डॉ. अलका मिश्रा ने स्टूडेंट्स को बताया कि साल में दो दिन 21 जून और 22 दिसंबर को कुछ समय के लिए आपकी परछाई भी आपका साथ या तो छोड़ देती है या आपके कद की अपेक्षा बहुत छोटी हो जाती है. उन्होंने बताया कि सूर्य 23.5 डिग्री और 23.5 डिग्री अक्षांश के बीच आने वाली जगहों पर दोपहर के समय ठीक हमारे सिर के ऊपर चमकता है. यही कारण है कि उस समय हमारी परछाई भी हमारा साथ छोड़ देती है. परछाई न बनने की इस घटना को खगोल वैज्ञानिक शून्य छाया दिवस या जीरो शैडो डे कहते हैं. उन्होंने बताया कि लखनऊ 26.85 डिग्री अक्षांश पर स्थित है, अत: यहां पूर्ण रूप से शून्य छाया नहीं बनती पर निम्नतम छाया 21 जून को मध्यान्ह में देखी गई. डॉ. अलका मिश्रा ने एक आसान से प्रयोग के माध्यम से छात्रों को घेरे में खड़ा करके दोपहर 12:04 पर इस घटना को प्रदर्शित करते हुए उनको जीरो शैडो डे के बारे रोचकता पूर्ण ढंग से समझाया. इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रोफेसर पूनम शर्मा एवं भौतिक विज्ञान के प्रो. अमृतांशु शुक्ल भी उपस्थित रहे.

HINDUSTAN PAGE 4

एलयू : 600 छात्र-छात्राओं संग कुलपति ने किया योग

अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस पर लखनऊ विश्वविद्यालय के शिवाजी खेल मैदान में योग शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, छात्र-छात्राओं, एनसीसी कैडेट, एनएसएस के 600 विद्यार्थियों ने कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के साथ योग किया। साथ ही नवीन परिसर के उद्यान में योगाभ्यास का आयोजन किया गया।

THE PIONEER PAGE 3

'Zero shadow day' demonstrated

Lucknow (PNS): Astrophysicist Dr Alka Mishra showed an amazing view of 'zero shadow day' to students at Lucknow University on Tuesday. "There are only two days in a year when the sun shines right above our head at noon in places falling between 23.5°N and 23.5°S degree latitude," Mishra told the students.

"This is the reason why even our shadow leaves us at that time. Astronomers call this phenomenon a 'zero shadow day'. Since Lucknow is located at 26.85°N latitude, there is no absolute 'zero shadow' but the lowest shadow can be seen on June 21 around midday," she explained.

JAGRAN CITY PAGE I & III

लवि तैयार करेगा पांच वर्षीय संस्थागत विकास योजना

जासं, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय अगले पांच वर्षों को ध्यान में रखते हुए अपनी संस्थागत विकास योजना (आइडीपी) तैयार करेगा। उच्च शिक्षा विकास की ओर से आदेश जारी होने के बाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने तीन सदस्यीय कमेटी गठित की है। कमेटी ने भी इस पर कार्य शुरू करते हुए सभी विभागाध्यक्षों से विकास योजना उपलब्ध कराने को कहा है।

दरअसल, उच्च शिक्षा विभाग ने सभी राज्य विश्वविद्यालयों से अगले पांच वर्षों की संस्थागत विकास योजना तैयार करने के लिए कहा है। इसमें लखनऊ विश्वविद्यालय भी शामिल है। विशेष सचिव मनोज कुमार की ओर से इस संबंध में पत्र जारी हो चुका है। इसी क्रम में लवि के कुलपति ने कमेटी बनाई है। गठित कमेटी में डीन एकेडमिक्स प्रो. राकेश चंद्रा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन व व्यापार प्रशासन विभाग के हेड संजय मेधावी शामिल हैं। कमेटी की ओर से तैयार की गई लवि की संस्थागत विकास योजना पर कार्य परिषद का अनुमोदन लेकर शासन को उपलब्ध कराना होगा।

आइडीपी योजना के लिए कमेटी के संयोजक संजय मेधावी ने सभी हेड, डीन, निदेशक व समन्वयक को पत्र भेजकर अपने विभाग की पांच वर्षों की विकास योजना पर इनपुट देने को कहा है। इनपुट में नए वैकल्पिक पाठ्यक्रम शुरू करने, पाठ्यक्रम सामग्री को उन्नत करने, शिक्षण अध्यापक को और बेहतर बनाने, स्नातक, परास्नातक व अनुसंधान कार्यक्रमों की शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने वाली कोई योजना, शैक्षिक स्तर बढ़ाने के लिए आवश्यक भवन, उपकरण, प्रयोगशालाओं सहित विकास के लिए जो भी बेहतर है, उसका सुझाव देना है।

लवि : खगोल विज्ञान का दिखा अद्भुत नजारा

जासं, लखनऊ : आपको जानकर हैरानी होगी कि साल में दो दिन कुछ समय के लिए आपकी परछाई भी आपका साथ या तो छोड़ देती है या आपके कद की अपेक्षा बहुत ही छोटी हो जाती है। मंगलवार को शून्य छाया दिवस के अवसर पर छात्र-छात्राओं को खगोल विज्ञान का अद्भुत नजारा देखने को मिला।

खगोल शास्त्र की विज्ञानी डा. अलका मिश्रा ने बताया कि साल में महज दो दिन ऐसे होते हैं, जब सूर्य 23.5 डिग्री नार्थ और 23.5 डिग्री साउथ अक्षांश के बीच आने वाली जगहों पर दोपहर के समय ठीक हमारे सिर के ऊपर चमकता है। यही कारण है कि उस समय हमारी परछाई भी हमारा साथ छोड़ देती है। खगोल वैज्ञानिक इसे शून्य छाया दिवस या जीरो शैडो-डे कहते हैं। चूंकि, लखनऊ 26.85 डिग्री नाथ अक्षांश पर स्थित है, इसलिए यहां पूर्णरूप से शून्य छाया नहीं बनती, लेकिन निम्नतम छाया 21 जून को दोपहर में देखी जा सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों को घेरे में खड़ा करके दोपहर 12. 06 मिनट पर इस घटना को प्रदर्शित जीरो शैडो-डे के बारे समझाया।

इस तरह होता है बदलाव : विभागाध्यक्ष प्रो. पूनम शर्मा एवं भौतिक विज्ञान के प्रो. अमृतांशु शुक्ल ने बताया कि यह घटना तब होती है, जब सूर्य का झुकाव स्थान विशेष के अक्षांश के बराबर हो जाता है। जीरो शैडो-डे पर जब सूर्य स्थानीय मध्याह्न रेखा को पार करता है तो सूर्य की किरणें जमीन पर किसी वस्तु के सापेक्ष बिल्कुल लंबवत पड़ती हैं। ऐसे में उस समय आपकी परछाई या तो शून्य या निम्नतम हो जाती है। जीरो शैडो-डे के सिवा सूर्य कभी भी ठीक हमारे ऊपर नहीं होता। यह आमतौर पर थोड़ा उत्तर या थोड़ा सा दक्षिण में कम ऊंचाई पर होता है।

विद्यार्थियों को जीरो शैडो डे के बारे समझातीं डा. अलका मिश्रा ● सौजन्य : लवि

तीन का कैंपस प्लेसमेंट

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के तीन छात्रों का निजी कंपनी में प्लेसमेंट हुआ है। इसमें कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के छात्र सिद्धार्थ सिंह का प्रोजेक्ट इंजीनियर, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के छात्र रोहित कुमार एवं इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के छात्र सोनू कुमार पाल का प्लेसमेंट ग्रेजुएट ट्रेनी इंजीनियर के पद पर हुआ है। इंजीनियरिंग संकाय के प्लेसमेंट इंचार्ज डा. हिमांशु पांडेय ने बताया की कंपनी ने तीनों छात्रों को अधिकतम 6.5 लाख का पैकेज आफर किया है। (जासं)

HINDUSTAN TIMES PAGE 2

Lucknow University students experience Zero Shadow Day

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

LUCKNOW: Lucknow University astrophysicist Alka Mishra demonstrated Zero Shadow Day to the university students on Tuesday.

On Zero Shadow Day, when the Sun crosses the local meridian, its rays fall vertically relative to an object on the ground. At that time, our shadow becomes either 'zero' or smallest. Contrary to popular belief, the sun is never right above us even at noon, except on Zero Shadow Day. It is usually a little north or a little south at low altitudes, they said.

Mishra told the students that there is only one day in a year when the noon Sun shines right above our heads at places falling between 23.5°N and 23.5°S degree latitude. "This is the reason why even our shadow leaves us at that time. Astronomers call this phenomenon of no shadow formation Zero Shadow Day," she explained.

For a very short time on June 21 (Summer Solstice) our shadow either completely disappears or becomes too small. Since Lucknow is located at 26.85°N latitude, absolute 'zero shadow' does not exist but the smallest shadow can be seen on June 21 at midday, Mishra said.

She made the students stand in a circle and demonstrated this phenomenon at 12.06 pm and explained to students Zero Shadow Day.

Professor Poonam Sharma and Prof. Amritanshu Shukla were also present and they too shared information about the sequence of events involving the Sun and the Earth with the students. They explained how these dates are also different for different places on Earth and this phenomenon occurs when the inclination of the Sun becomes equal to the latitude of the particular place.

LU students observing Zero Shadow Day on Tuesday. HT PHOTO

TOI PAGE 4

Lucknow University

JAGRAN CITY PAGE III

लखनऊ विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व में शिवाजी क्रीड़ांगन में योग शिविर लगा ● सौः लवि

RASHTRIAYA SWAROOP PAGE 4

लविवि के कुलपति ने योग दिवस मनाया

स्वरूप संवाददाता

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय प्रोफेसर आलोक कुमार राय के नेतृत्व में लखनऊ विश्वविद्यालय के पुराने परिसर के कला संकाय भवन के सामने शिवाजी क्रीड़ांगन में योग शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, छात्र-छात्राओं, एन सी सी कैडेट्स, एन.एस.एस के 600 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। साथ ही नवीन परिसर के उद्यान में भी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के संरक्षण में, मिशन शक्ति और योग एवम् वैकल्पिक चिकित्सा संकाय के तत्वाधान में योगाभ्यास किया गया। प्रो नवीन खरे एवम् प्रो मधुरिमा लाल के निर्देशन में डा. सत्येंद्र कुमार मिश्र तथा डा. उमेश कुमार शुक्ल द्वारा योग की अनेकानिक क्रियायो को सफलतापूर्वक संचालित किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान निर्देशक द्वितीय परिसर प्रो. बी. डी. सिंह उपस्थित रहें। योग प्रदर्शन हेतु श्री निखिलेश वासुदेव तथा डा. विष्णु कुमार सिंह ने सहयोग किया।

कार्यक्रम के दौरान लगभग 150 विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी व कर्मचारियों के पारिवारिक सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ योग प्रोटोकॉल में निर्दिष्ट प्रार्थना के साथ किया गया। योग प्रोटोकॉल के योग क्रियाओं का अभ्यास करने के पश्चात सभी को संकल्प दिलाया गया और अंत में शांति पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। अभ्यास के दौरान अभ्यार्थियों को विभिन्न योगिक क्रियाओं के लाभों और सावधानियों से भी अवगत कराया गया। इस प्रकार कुल 750 लोगों ने योग शिविर में उपस्थित थे।

लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के 03 छात्रों का हुआ प्लेसमेंट

स्वरूप संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के 03 छात्रों का प्लेसमेंट विप्रो एवं केपीआईटी टेक्नोलॉजीज में हुआ।

जिसमें कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के छात्र सिद्धार्थ सिंह का प्लेसमेंट विप्रो में प्रोजेक्ट इंजीनियर के पद पर हुआ तथा कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के 01 छात्र रोहित कुमार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के 01 छात्र सोनू कुमार पाल का प्लेसमेंट केपीआईटी टेक्नोलॉजीज कम्पनी में ग्रेजुएट ट्रेनी इंजीनियर के पद पर हुआ। इंजीनियरिंग संकाय के प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने बताया की कंपनी ने तीनों छात्रों को अधिकतम 6.5 लाख का पैकेज ऑफर किया।

लविवि : खगोल वैज्ञानिक डॉ अलका मिश्रा ने छात्रों को दिखाया खगोल विज्ञान का अद्भुत नज़ारा

स्वरूप संवाददाता

लखनऊ। कहते हैं कि अगर परछाई से पूछे कि क्यों रहती हो सदा साथ, तो परछाई बोली और भला कौन है तेरे पास। पर यह जानकर हैरानी होगी कि साल में दो दिन कुछ समय के लिए आपकी परछाई भी आपका साथ या तो छोड़ देती है या आपके कद की अपेक्षा बहुत ही छोटी हो जाती है। लखनऊ विश्विद्यालय खगोल शास्त्र की डॉ अलका मिश्रा ने छात्रों को बताया कि साल में महज दो दिन ऐसे होते हैं, जब सूर्य 23.5ए एन और 23.5ए एस डिग्री अक्षांश के बीच आने वाली जगहों पर दोपहर के समय ठीक हमारे सिर के ऊपर चमकता है। यही कारण है कि उस समय हमारी परछाई भी हमारा साथ छोड़ देती है। परछाई न बनने की इस घटना को खगोल वैज्ञानिक %शून्य छाया दिवस% या जीरो शैडो-डे कहते हैं। चूंकि लखनऊ 26.85ए एन अक्षांश पर स्थित है, अत: यहां पूर्ण रूप से शून्य छाया नहीं बनती पर निम्नतम छाया 21 जून को मध्यान्ह मे देखी जा सकती है। एक आसान से प्रयोग के माध्यम से उन्होंने छात्रों को घेरे में खड़ा करके दोपहर 12. 06 पर इस घटना को प्रदर्शित करते हुए छात्रों को जीरो शैडो डे के बारे काफी रोचकता पूर्ण ढंग से समझाया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रोफेसर पूनम शर्मा एवं भौतिक विज्ञान के प्रो अमृतांशु शुक्ल भी उपस्थित रहे और उन्होंने भी छात्रों के साथ सूर्य और धरती के बीच होने वाले इस अद्भुत घटना क्रम के बारे में विभिन्न जानकारियां साझा करी। उन्होंने बताया कि किस प्रकार पृथ्वी पर अलग-अलग जगहों के लिए इनकी तारीखें भी अलग-अलग होती हैं और यह घटना तब होती है जब सूर्य का झुकाव स्थान विशेष के अक्षांश के बराबर हो जाता है। ज़ीरो शैडो डे पर, जब सूर्य स्थानीय मध्याह्न रेखा को पार करता है, तो सूर्य की किरणें जमीन पर किसी वस्तु के सापेक्ष बिल्कुल लंबवत पड़ती हैं. ऐसे में उस समय आपकी परछाई या तो शून्य या निम्नतम हो जाती है। सामान्य जनधारणा के विपरीत दोपहर के समय भी जीरो शैडो डे के सिवा सूर्य कभी भी ठीक हमारे ऊपर नहीं होता। यह आमतौर पर थोड़ा उत्तर या थोड़ा सा दक्षिण में कम ऊंचाई पर होता है।

पृथ्वी की रोटेशन एक्सिस सूरज की तरफ 23.5 डिग्री झुकी होती है, यही कारण है कि सूर्य की रोशनी एक समान धरती पर नहीं पड़ती और मौसम में परिवर्तन देखने को मिलते हैं।

TRUE TIMES PAGE 2

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय प्रोफेसर आलोक कुमार राय के नेतृत्व में योग दिवस मनाया गया

ट्रू टाइम्स संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय के पुराने परिसर के कला संकाय भवन के सामने शिवाजी क्रीड़ांगन में योग शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, छात्र-छात्राओं, एन सी सी कैडेट्स, एन.एस.एस के 600 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। साथ ही नवीन परिसर के उद्यान में भी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के संरक्षण में, मिशन शक्ति और योग एवम् वैकल्पिक चिकित्सा संकाय के तत्वाधान में योगाभ्यास किया गया। प्रो नवीन खरे एवम् प्रो मधुरिमा लाल के निर्देशन में डा. सत्येंद्र कुमार मिश्र तथा डा. उमेश कुमार शुक्ल द्वारा योग की अनेकानिक क्रियायो को सफलतापूर्वक संचालित किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान निर्देशक द्वितीय परिसर प्रो. बी. डी. सिंह उपस्थित रहें।

योग प्रदर्शन हेतु श्री निखिलेश वासुदेव तथा डा. विष्णु कुमार सिंह ने सहयोग किया। कार्यक्रम के दौरान लगभग 150 विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी व कर्मचारियों के पारिवारिक सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ योग प्रोटोकॉल में निर्दिष्ट प्रार्थना के साथ किया गया, तत्पश्चात सांगोपांग योग प्रोटोकॉल के योग क्रियाओं का अभ्यास करने के पश्चात सभी को संकल्प दिलाया गया और अंत में शांति पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। अभ्यास के दौरान अभ्यार्थियों को विभिन्न योगिक क्रियाओं के लाभों और सावधानियों से भी अवगत कराया गया। इस प्रकार कुल 750 लोगों ने आज योग शिविर में प्रतिभाग किया।